🙏 श्रद्धांजलि 🙏

स्वर्गीय श्री परमेश्वर प्रसाद सिंह

(जन्म - 02 जनवरी 1944 • पुण्य तिथि - 22 नवम्बर 2025)

जीवन परिचय

स्वर्गीय श्री परमेश्वर प्रसाद सिंह का जन्म सन 1944 ईस्वी में गया जिले के छोटका करासन गाँव में एक संस्कारी एवं प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। आपकी माता श्रीमती कसीदा देवी, तथा पिता श्री करधनी महतो थे। चार भाई–बहनों में आप दूसरे स्थान पर थे। बचपन में ही पिता के निधन के बाद आपके शिक्षा-संस्कार और पारिवारिक मार्गदर्शन का दायित्व बड़े भाई श्री विश्वेश्वर प्रसाद तथा मामा जी ने संभाला।

शिक्षा एवं प्रारंभिक जीवन

आपकी प्राथमिक शिक्षा गाँव के विद्यालय में तीसरी कक्षा तक हुई। सन् 1959 में आपने मध्य विद्यालय, इमामगंज से सातवीं कक्षा उत्तीर्ण की। सन् 1962 में उच्च विद्यालय, मैगरा से आपने matric की परीक्षा दी। मैट्रिक में सफलता न मिलने के बावजूद आप निराश नहीं हुए—बल्कि जीवन को एक नई दिशा दी। तत्पश्चात आपने निजी व्यवसाय आरंभ किया और मेहनत व सत्यनिष्ठा से उसे विकसित किया।

सार्वजनिक जीवन की शुरुआत

सन् 1965 में आपने Cooperative Society के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा और जनता के अपार प्रेम से विजयी हुए। आप 1965 से 1972 तक अध्यक्ष रहे और सहयोग, पारदर्शिता तथा सेवा भाव से इस पद को गौरवान्वित किया।
1967 के अकाल के दौरान आपने कंट्रोल/जन वितरण प्रणाली द्वारा गरीबों एवं जरूरतमंदों को अनाज उपलब्ध करवाया। इस सेवा से आपको जनता का स्नेह, विश्वास और व्यापक समर्थन मिला। सन् 1972 में आप मलहारी ग्राम पंचायत के मुखिया चुने गए। 1978 में पुनः निर्वाचित हुए और 2001 तक निरंतर इस पद पर रहते हुए समाज-सेवा करते रहे।

हरित क्रांति में महत्त्वपूर्ण भूमिका

1970 के दशक में हरित क्रांति जब देशभर में फैल रही थी, तब आपने इसे अपने गाँव और पंचायत में लाने का बीड़ा उठाया। आपने कृषि मशीनों का उपयोग, उन्नत बीजों का प्रचार, उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग, कृषक जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की उपज और समृद्धि में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संपूर्ण क्रांति और समाजवादी आंदोलन

सन् 1974 में प्रारंभ हुए संपूर्ण क्रांति में आपने सक्रिय भागीदारी की। आप समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों से गहराई से प्रभावित थे और उनके सिद्धांतों को समाज में फैलाने का कार्य करते रहे।
आपके निकट सहयोगी बद्री बाबू (वर्तमान में चतरा निवासी) के साथ मिलकर आपने क्षेत्र के सभी समाजवादी नेताओं को एक मंच पर लाने का कार्य किया, जिससे समाजवादी आंदोलन को नई शक्ति मिली।

1977 का आम चुनाव एवं ईश्वर दास की विजय में भूमिका

सन् 1977 के आम चुनाव में इमामगंज से ईश्वर दास विधायक निर्वाचित हुए। उन चुनावों में आपकी सक्रिय भूमिका और संगठन क्षमता ने ईश्वर दास की जीत में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विधायक बनने के बाद ईश्वर दास आपका अत्यधिक सम्मान करते थे और क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आपसे निरंतर परामर्श लेते थे।
1978 के पंचायत चुनाव में ईश्वर दास ने जनता से यह अपील भी की कि "परमेश्वर प्रसाद सिंह को मुखिया बनाइए, ये आपके सच्चे और ईमानदार प्रतिनिधि होंगे।" जनता ने इसे स्वीकार किया और आपको भारी मतों से विजय मिली।

जनता दल में भूमिका और विकास कार्य

80 के दशक के अंत में जनता दल के गठन के समय आप इसकी मुख्य धुरी रहे और इमामगंज प्रखंड के जनता दल प्रखंड अध्यक्ष बने। जब उदय नारायण चौधरी विधायक बने, तब आप उनके विधायक प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र के विकास कार्यों का नेतृत्व करते रहे। इमामगंज तब अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र था। आपके मार्गदर्शन में पेयजल योजनाएँ हैंडपंपों की स्थापना पुल-पुलियों का निर्माण सड़कों का विकास जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्य हुए। इसके बाद आप 20 सूत्री योजना समिति के प्रखंड अध्यक्ष भी बने और सरकारी योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाया।

शैक्षणिक संस्थानों में योगदान

विधायक प्रतिनिधि होने के नाते इमामगंज प्रखंड के अधिकांश उच्च विद्यालय, +2 उच्च विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष पद पर आप सुशोभित हुए। आप संजय गांधी इंटर कॉलेज, इमामगंज के प्रबंध समिति अध्यक्ष और प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय, इमामगंज की विद्यालय समिति के भी अध्यक्ष रहे। आपने गरीब एवं कमजोर तबके के छात्रों के नामांकन शुल्क माफी विद्यालयी समस्याओं के समाधान शैक्षणिक वातावरण सुधार जैसे उल्लेखनीय कार्य किए।

युवक संघ और सामाजिक जागरण

श्री परमेश्वर प्रसाद सिंह युवक संघ जैसे सामाजिक संगठन से सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, कुप्रथाओं और रूढ़िवादी सोच के खिलाफ आवाज उठाई और समाज सुधार के लिए संघर्षरत रहे। इनके सहयोग से युवक संघ का दो-दो सम्मेलन इस क्षेत्र में संपन्न हुआ, प्रथम झिकटिया युवक सम्मेलन और दूसरा वलीचक युवक सम्मेलन, जिसमें इनकी सक्रिय भागीदारी रही। उस समय ये युवक संघ के इमामगंज और डुमरिया के संयुक्त रूप से अंचल मंत्री हुआ करते थे। युवक संघ के बैनर तले दहेज प्रथा का विरोध किया गया। रूढ़िवादी प्रथा और कुरीतियों के विरुद्ध ये संघर्ष करते रहे। युवक संघ के द्वारा एक नाटक का प्रारूप भी तैयार किया गया था, जिसमें दहेज प्रथा की कुरीतियों के बारे में बताया गया था।

छात्र जीवन में प्रथम विधायक जगलाल महतो का सान्निध्य इन्हें प्राप्त हुआ। चूँकि जगलाल महतो का ननिहाल इसी छोटका करासन गाँव में था और उनका हमेशा आना-जाना लगा रहता था, इसलिए राजनीतिक रूप से इनसे प्रभावित हुए और आगे चलकर ये राजनीति से भी जुड़े। इसलिए इनके राजनीतिक जीवन में जगलाल महतो का भी योगदान रहा है, जो शेरघाटी विधानसभा क्षेत्र के प्रथम विधायक थे। श्री उपेंद्रनाथ वर्मा द्वारा संपादित "मूक आवाज़" पत्रिका के यह आजीवन सदस्य रहे।

इमामगंज को विधान सभा क्षेत्र बनाने में सहयोग

देश आजाद होने के बाद शेरघाटी विधान सभा क्षेत्र बना था। उस समय इमामगंज के करमौन गांव के स्वतंत्रता सेनानी जगलाल महतो प्रथम विधायक बने थे। उसके बाद आपने जगलाल महतो जी से संपर्क कर इमामगंज को विधानसभा क्षेत्र बनाने में सहयोग किया था। आपने अपने पंचायत गांव के विकास के लिए अंतिम सासों तक लगे रहे। जिसका परिणाम रहा कि आपने अपने पंचायत के लिए दुबहल और मुनबार में पुल का निर्माण कराने का काम किया।
इमामगंज को जिला बनाने की आवाज सबसे पहले आपने ही उठाई थी, यह आपका दूरदर्शी नेतृत्व और क्षेत्र के प्रति गहरी निष्ठा को दर्शाता है।

संघर्ष और समाज-सेवा की मिसाल

इमामगंज–डुमरिया क्षेत्र में वे सदैव पुल-पुलिया निर्माण सिंचाई हेतु पइन खुदाई फील्ड फायरिंग रेंज समस्या रेल लाइन बिछाने की मांग उग्रवाद से सुरक्षा गरीबों को सामंती अत्याचार से बचाने जैसे जनसंघर्षों के केंद्र में रहे। जनता की समस्या ही उनका जीवन ध्येय था।

व्यक्तित्व

वे सादा जीवन–उच्च विचार, सत्यनिष्ठा, सेवा-भाव और भाईचारे के प्रतीक थे। उनका पूरा जीवन समाज को समर्पित रहा। सन 1963 में उनका विवाह श्रीमती सावित्री देवी जी से हुआ, जिन्होंने जीवनभर उनके साथ हर सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर साथ निभाया। उनके राजनीतिक उत्थान, सामाजिक कार्यों और परिवार एवं गृह-व्यवस्था में उन्होंने पूर्ण योगदान दिया। उनके कार्य, संघर्ष और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

शोक संदेश

स्वर्गीय श्री परमेश्वर प्रसाद सिंह के निधन से समाज ने एक अद्वितीय जनसेवक, संघर्षशील नेता और सच्चे सामाजिक प्रहरी को खो दिया है। ये अपने परिवार में अपनी पत्नी श्रीमती सावित्री देवी, तीन पुत्र, तीन बहुएँ, चार पौत्र एवं दो पौत्री को छोड़कर स्वर्गवासी हुए हैं।

व्हाट्सऐप और फ़ेसबुक पर साझा करने के लिए QR कोड स्कैन करें

(मोबाइल कैमरा से स्कैन करें और सीधे श्रद्धांजलि पेज खोलें)